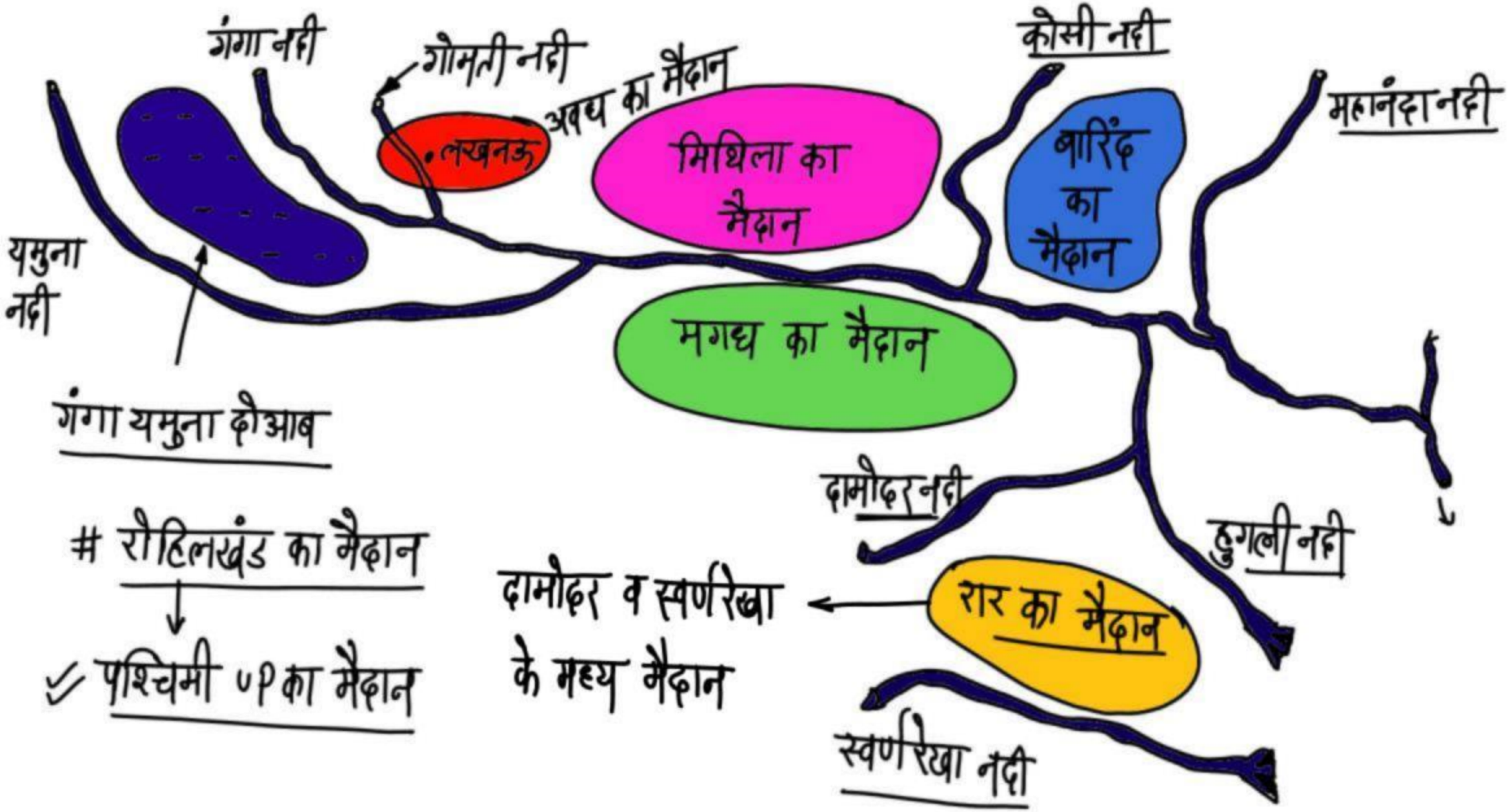
गंगा नदी
गोमती नदी
कोसी नदी
अवध का मैदान
लखनऊ
मिथिला का मैदान
बारिंद का मैदान
महानंदा नदी
यमुना नदी
मगध का मैदान
गंगा यमुना दोआब
दामोदर नदी
हुगली नदी
रोहिलखंड का मैदान
↓
✓ पश्चिमी UP का मैदान
दामोदर व स्वर्णरेखा के मध्य मैदान
रार का मैदान
स्वर्णरेखा नदी

* हिमालय 5 लाख Km^2 व उत्तरी मैदान लगभग 7 लाख Km^2 क्षेत्रफल पर विस्तृत है।

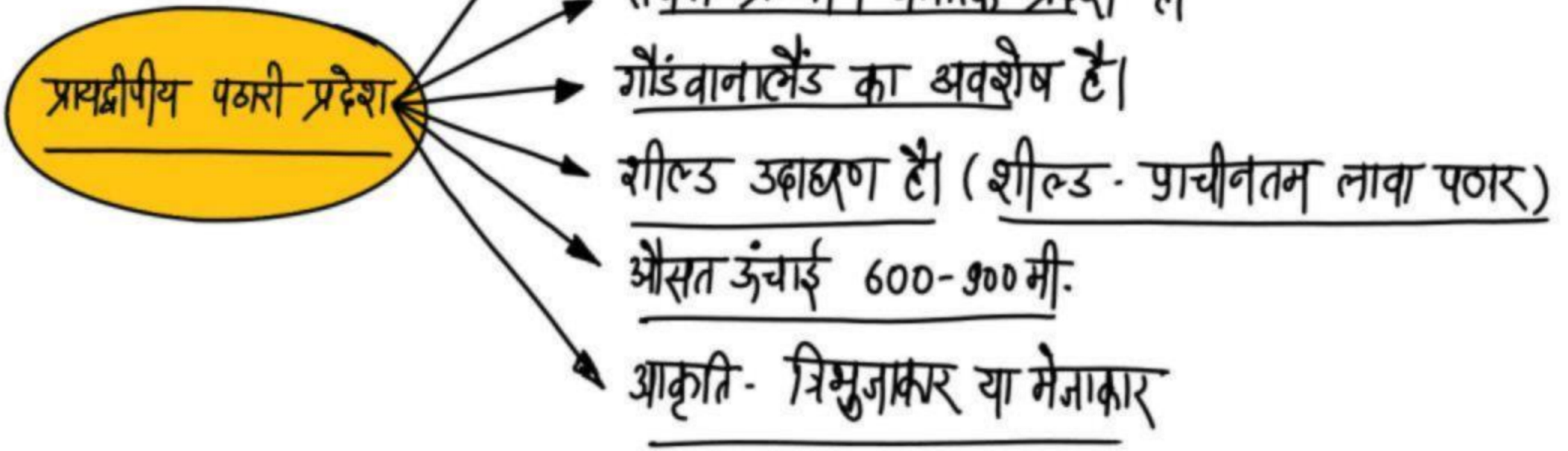

प्रायद्वीपीय भारत

① मध्यवर्ती उच्च भूमि

② दक्कन का पठार

③ कर्बी-स्नलोंग का पठार

① मध्यवर्ती उच्च भूमि :-

औसत ऊंचाई 700 से 1000 मी.

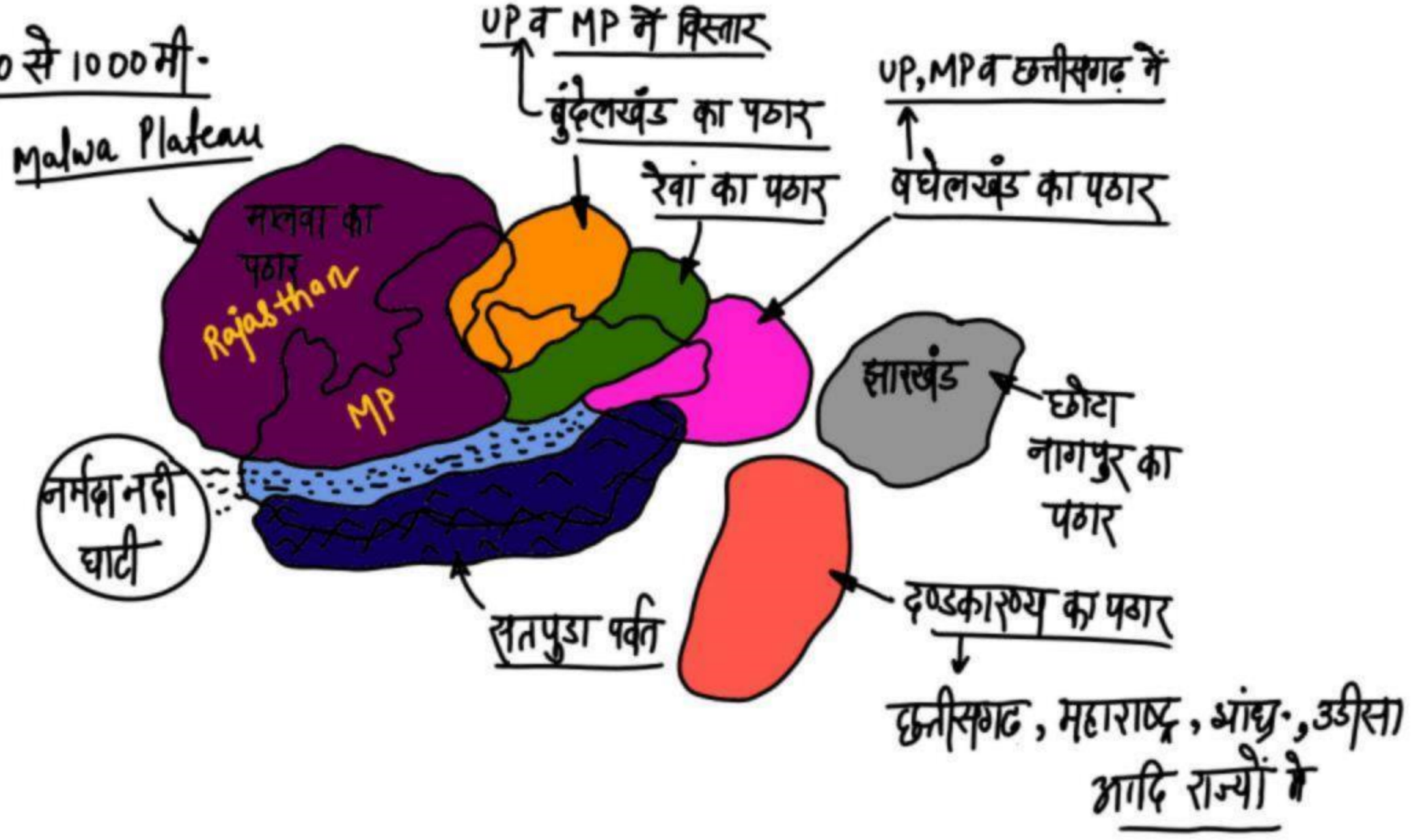

मालवा का पठार :- Rajasthan व MP में विस्तृत है, जिसका निर्माण क्रिटेशियस काल में लावा जमाव से हुआ है।

→ इसे राज॰ में हाड़ौती पठार कहा जाता है।

→ यहां लावा चट्टानों के अपक्षयित (weathering) होने से काली मृदा का विकास हुआ है।

→ इस पठार उज्जैन (महाकाल नगरी), भोपाल (झीलों की नगरी), इंदौर (मिनी मुंबई) व सांची नगर अवस्थित है।

↳ स्तूपों की नगरी ✓

↳ इस पठार से चंबल, क्षिप्रा, कालीसिंध, पार्वती नदियां प्रवाहित होती हैं।

② बुंदेलखंड का पठार :- UP व MP में विस्तृत है (UP व MP के 7-7 जिलों में)

- यह प्राचीन ग्रेनाइट, नीस चट्टानों से निर्मित पठार है जिसके अपरदन व अपक्षयित होने के कारण लाल-पीली मिट्टी का विकास हुआ है।
- यहां से बेतवा व केन नदियां प्रवाहित होती है।
- यहां अर्द्धशुष्क जलवायवीय दशाओं का विकास हुआ है।

③ बघेलखंड का पठार :- MP व छत्तीसगढ़ में

↳ कैमूर पहाड़ियों के पूर्व में स्थित है, जो कि सोन व महानदी अपवाह तंत्र को पृथक करता है।

⊕ दण्डकारण्य का पठार :- विस्तार मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, उड़ीसा में मिलता है।
(महाराष्ट्र, झारखंड में भी है)

→ इसे छत्तीसगढ़ में बस्तर तथा उड़ीसा में कालाहांडी पठार कहा जाता है।
- बस्तर → टिन के लिए प्रसिद्ध
- कालाहांडी पठार → बॉक्साइट भंडारों के लिए प्रसिद्ध

→ यहां प्रवाहित मुख्य नदी इंद्रावती है। → चित्रकोट जलप्रपात

→ इस पठारी भाग में स्थित डल्लीराजहरा की खान (छत्ती०) लौह अयस्क भंडारों हेतु प्रसिद्ध है।

⑤ छोटानागपुर का पठार :- मुख्य रूप से झारखंड में विस्तृत भूगर्भिक दृष्टिकोण से काफी विविधता पूर्ण है। → धारवाड, क्रिटेशियस, गोंडवाना आदि कई प्रकार की चट्टानें मिलती हैं।

→ भारत का रूर प्रदेश व खनिज गृह कहा जाता है। (रूर प्रदेश → जर्मनी में है)

क्रिटैशियस कालीन लावा जमाव

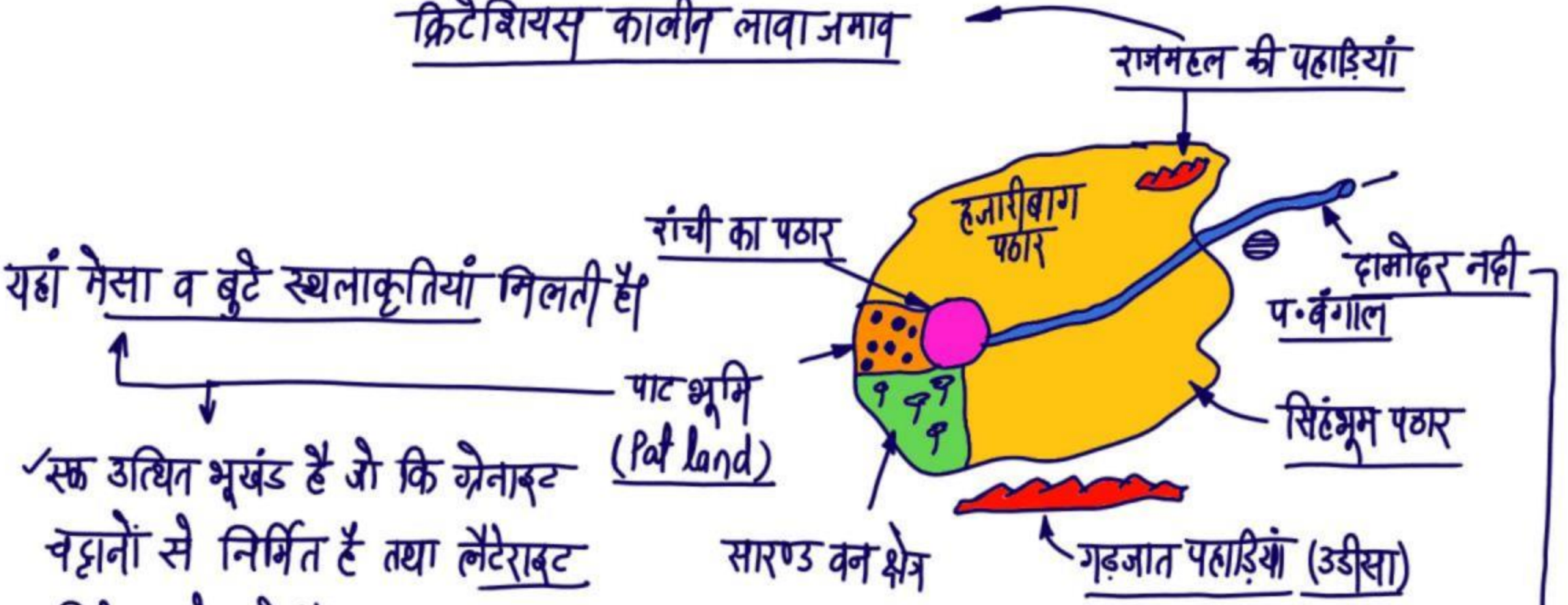

यहां मेसा व बुटे स्थलाकृतियां मिलती हैं।

✓रूक उत्थित भूखंड है जो कि ग्रेनाइट चट्टानों से निर्मित है तथा लैटेराइट निक्षेप पाये जाते हैं।

दामोदर भ्रंश घाटी में गोंडवाना चट्टानों से कोयला की प्राप्ति।

⇒ रांची पठार की औसत ऊंचाई 600 मी तथा हजारीबाग की औसत ऊंचाई 300 मीटर है। → Bihar Board Book 9th

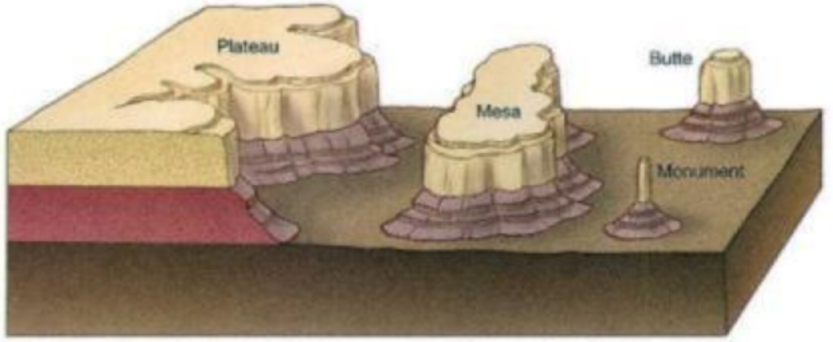

FIGURE 12.3
Characteristic erosional landforms in arid or semiarid areas with horizontal rock layers. Retreat of a plateau leaves mesas, buttes, and monuments as remnants.

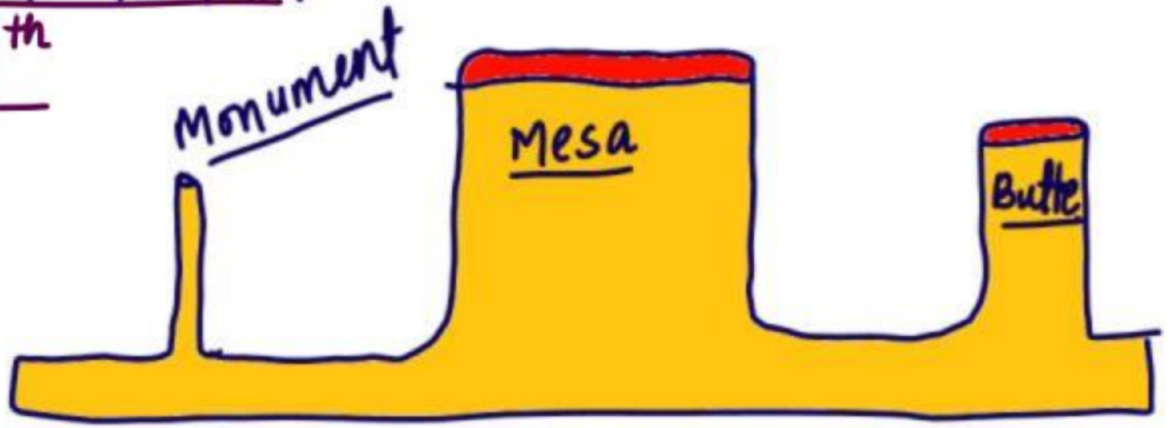

सर्वोच्च चोटी = पारसनाथ (23वें जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ से संबंधित)

(1365 मी)

सम्मेद शिखर भी कहा जाता है।

⇒ छोटा नागपुर पठार मालदा भ्रंश या राजमहल-गारो गैप द्वारा मेघालय पठार से पृथक होता है।

⇒ कर्बी-एनलोंग पठार असम में है तथा इस पर उत्तरी कचार की पहाड़ी स्थित है।

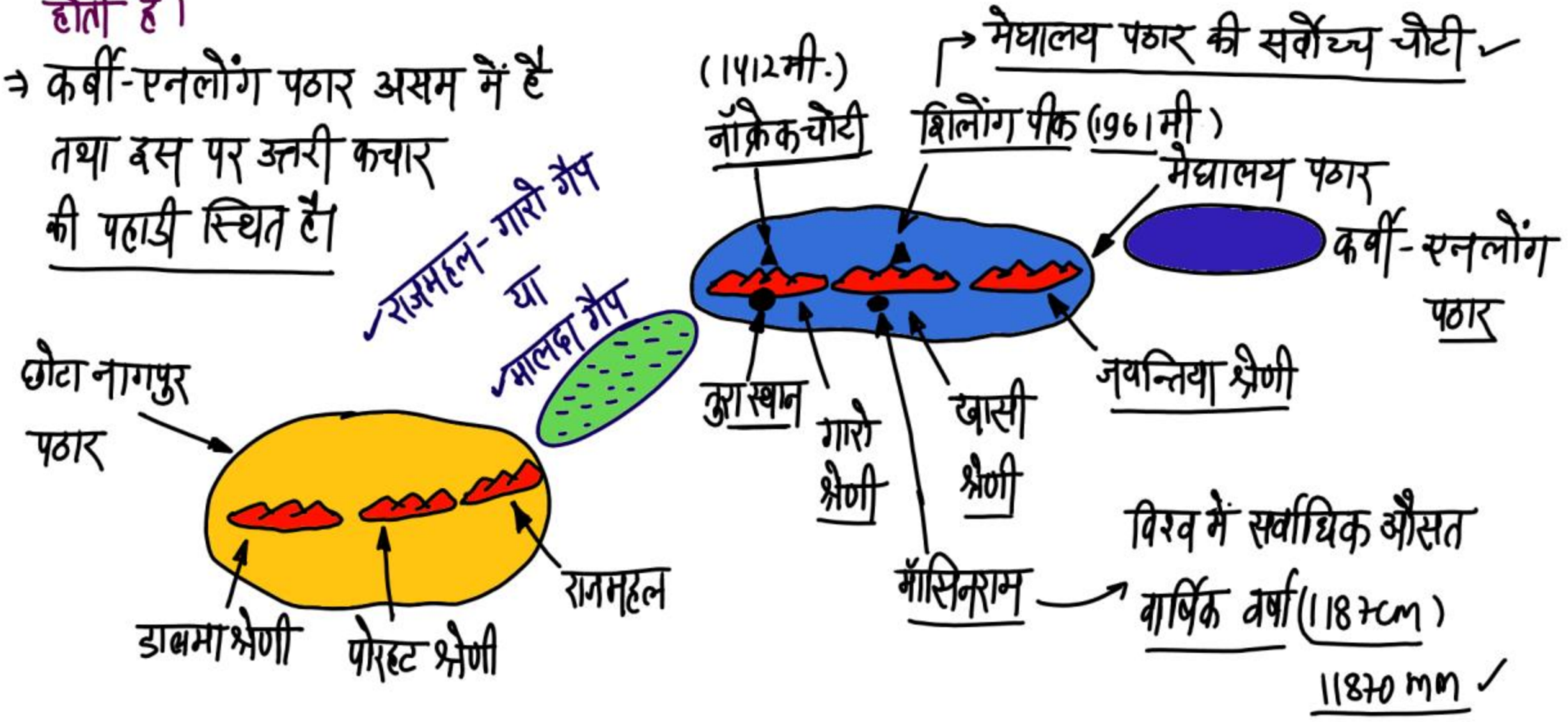

* राजस्थान का जैसलमेर जितनी वर्षा 10 वर्ष में प्राप्त करता है उतनी वर्षा मेघालय के तुरा स्थान पर 1 दिन में प्राप्त होती है।

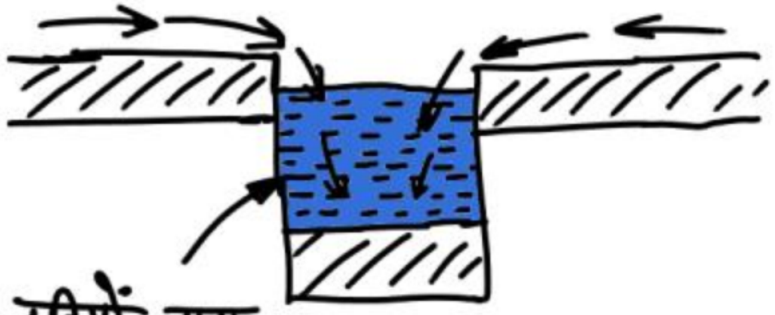

नदियों द्वारा अवसादीकरण

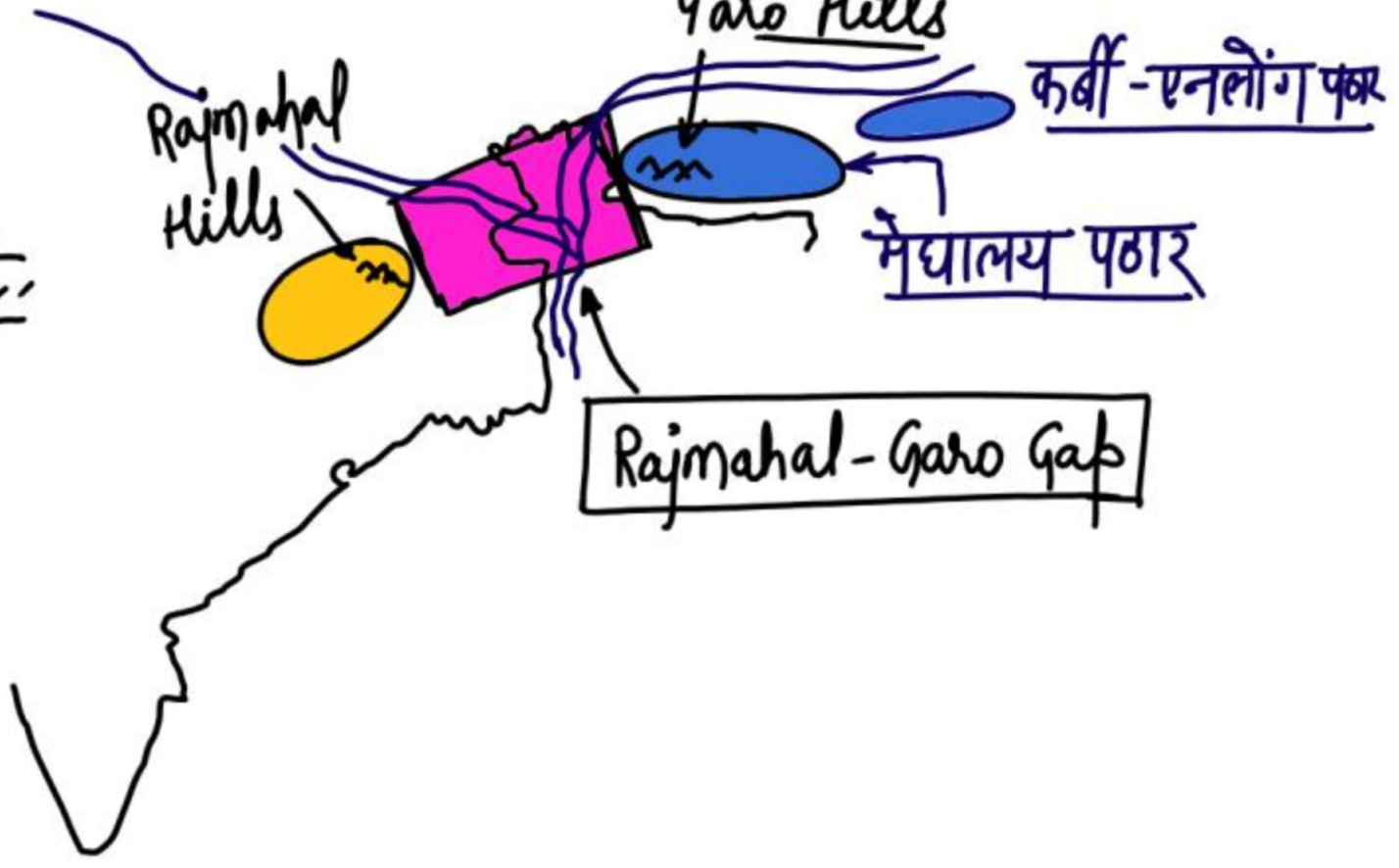

⇒ मेघालय की पहाड़ियों में लैटेराइट मृदा का विकास हुआ है।

⇒ मेघालय में गोंडवानाकालीन चट्टानों से कोयला की प्राप्ति होती है।

↓

Rat hole mining

Note :- मेघालय पठार भौगोलिक रूप से प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश का हिस्सा है।

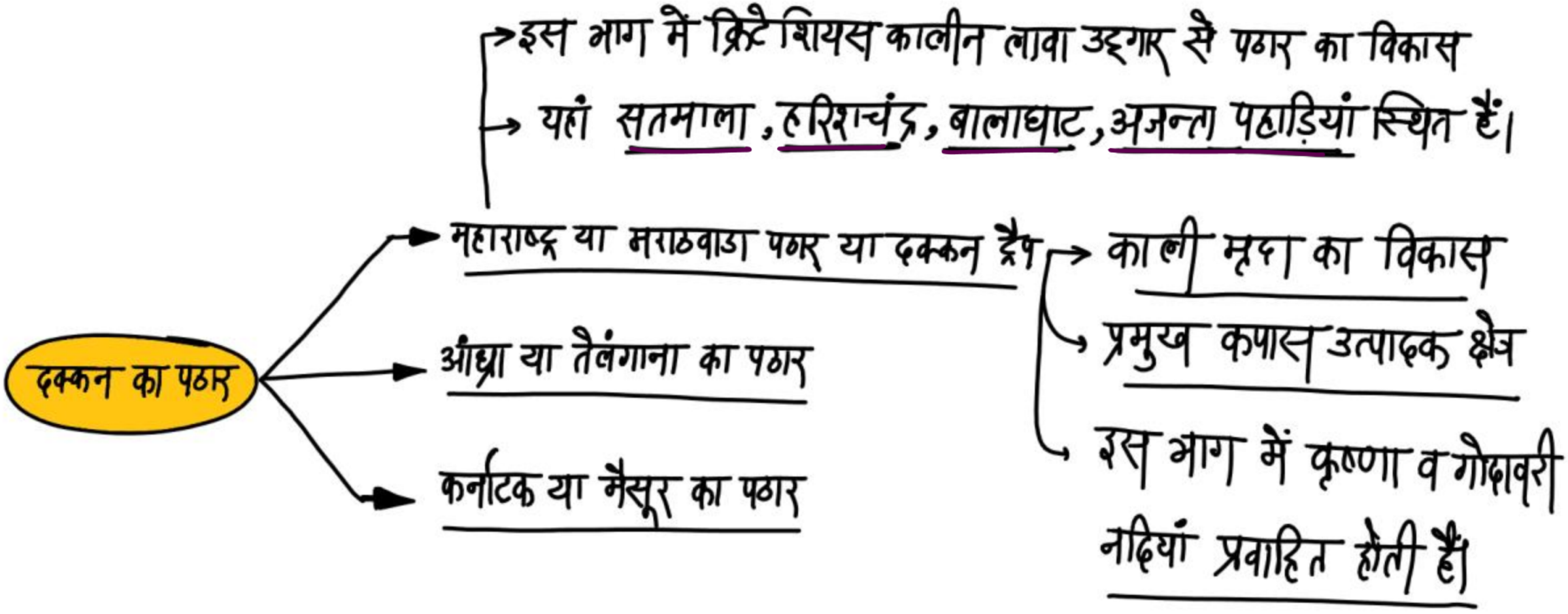
दक्कन का पठार
महाराष्ट्र या मराठवाडा पठार या दक्कन ट्रैप
इस भाग में क्रिटेशियस कालीन लावा उद्गार से पठार का विकास
यहां सतमाला, हरिश्चंद्र, बालाघाट, अजन्ता पहाड़ियां स्थित हैं।
काली मृदा का विकास
प्रमुख कपास उत्पादक क्षेत्र
इस भाग में कृष्णा व गोदावरी नदियां प्रवाहित होती हैं।
आंध्रा या तैलंगाना का पठार
कर्नाटक या मैसूर का पठार

लावा चट्टानें

सौराष्ट्र पठार
मालवा पठार
दक्कन ट्रैप

सौराष्ट्र पठार :- पहाड़ियों का उत्तर से दक्षिण की ओर क्रम

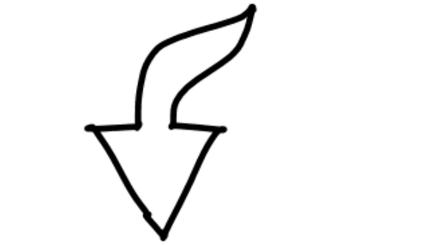

- कच्छ की पहाड़ी
- मांडव पहाड़ी
- बरडा पहाड़ी
- गिरनार पहाड़ी
  - गिर पहाड़ी

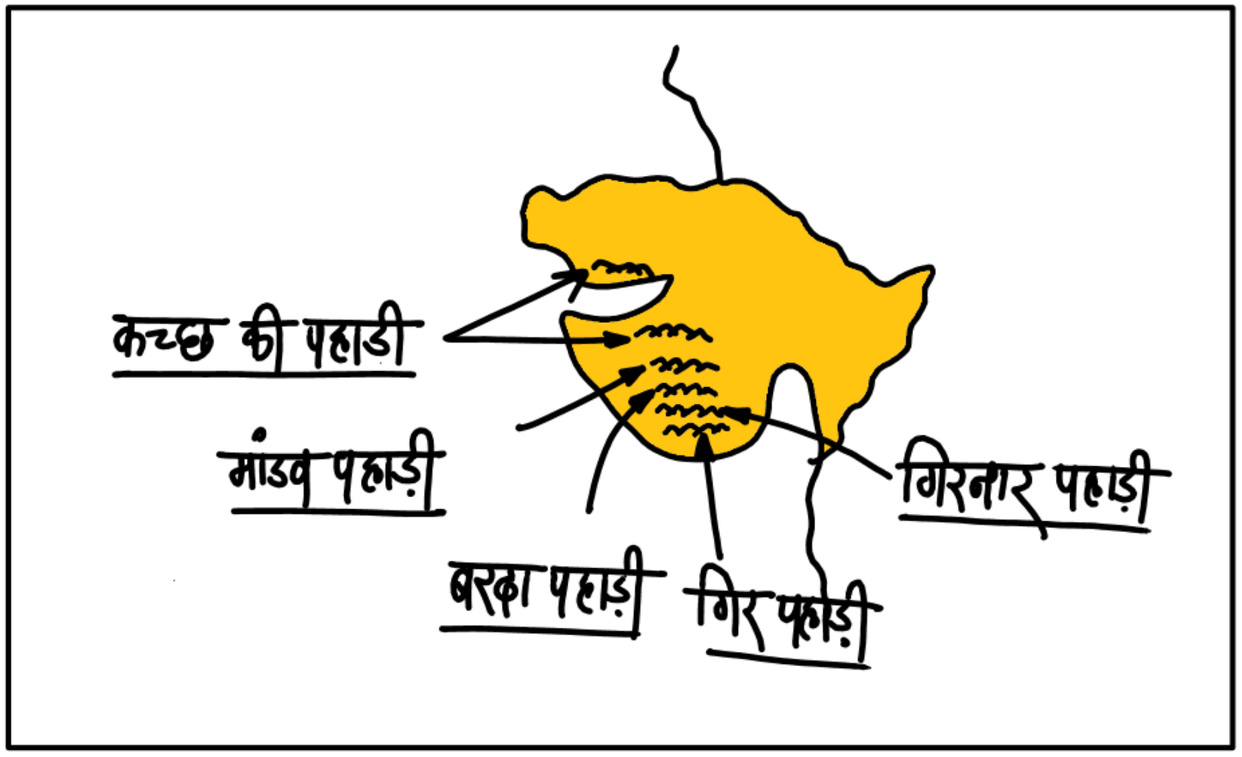

✓ आंध्रा पठार :-

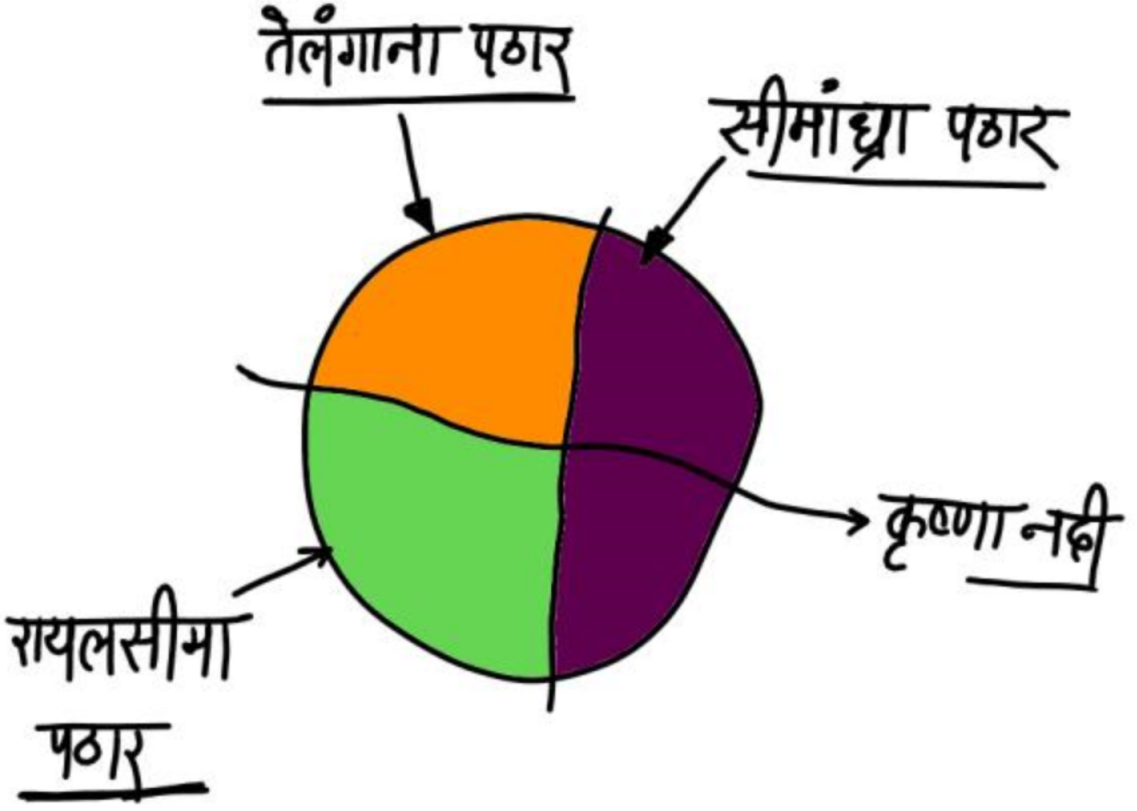

कर्नाटक या मैसूर पठार :- धारवाड क्रम की चट्टानें पायी जाती हैं जिनसे धात्विक खनिज प्राप्त होते हैं। इस पठार पर स्थित बाबा बूदन की पहाड़ियां लौह अयस्क व कॉफी उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है। इन पहाड़ियों में स्थित मुलनगिरि चोटी कर्नाटक पठार की सर्वोच्च चोटी है

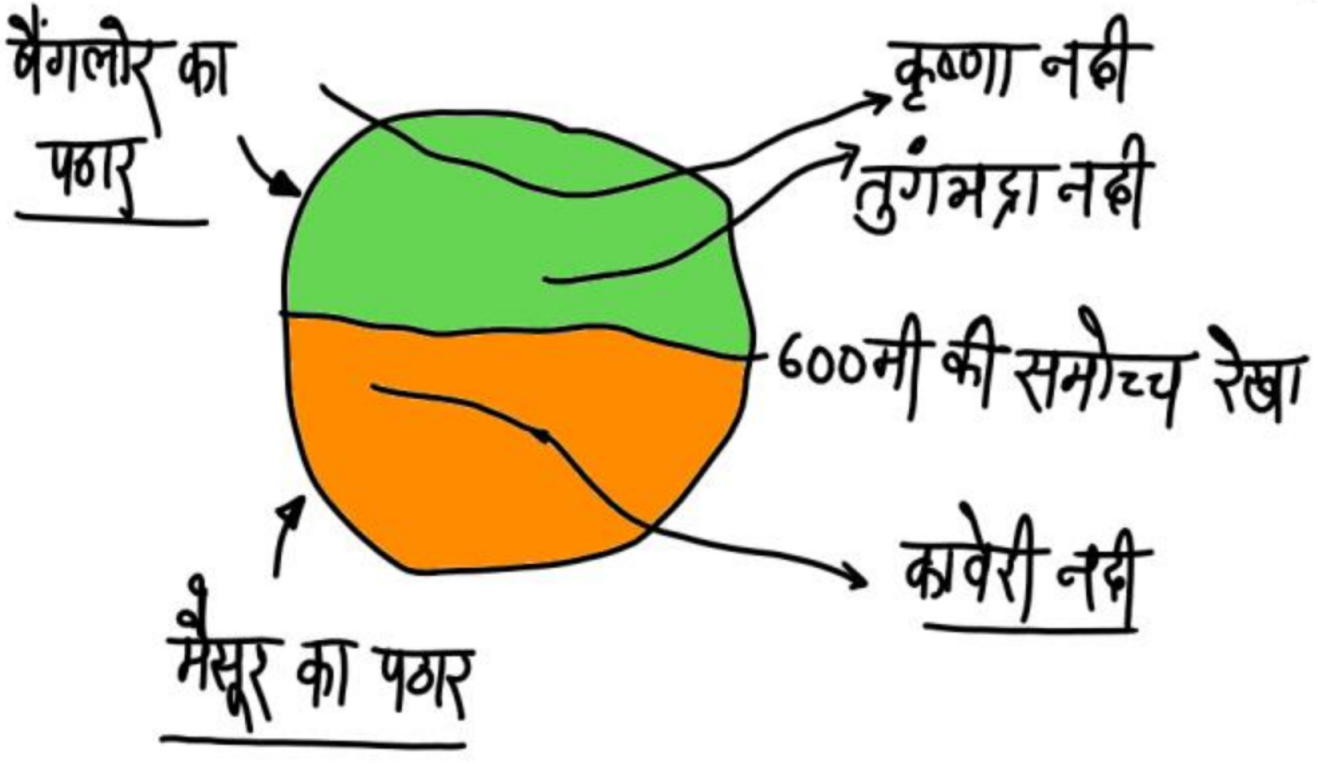

प्रायद्वीपीय भारत की पहाड़ियाँ
(Hills of Peninsular India)

अरावली पर्वतमाला

- विश्व की प्राचीनतम, वलित व अवशिष्ट पर्वतमाला है।
- निर्माण - प्री-कैम्ब्रियन काल में
- लंबाई- 1400 KM तथा चौड़ाई-5 KM होगी।
- भारत की हरित दीवार Green Wall of India

थार मरु॰ के पूर्वी विस्तार को रोकने के लिए निर्माण किया जा रहा है।

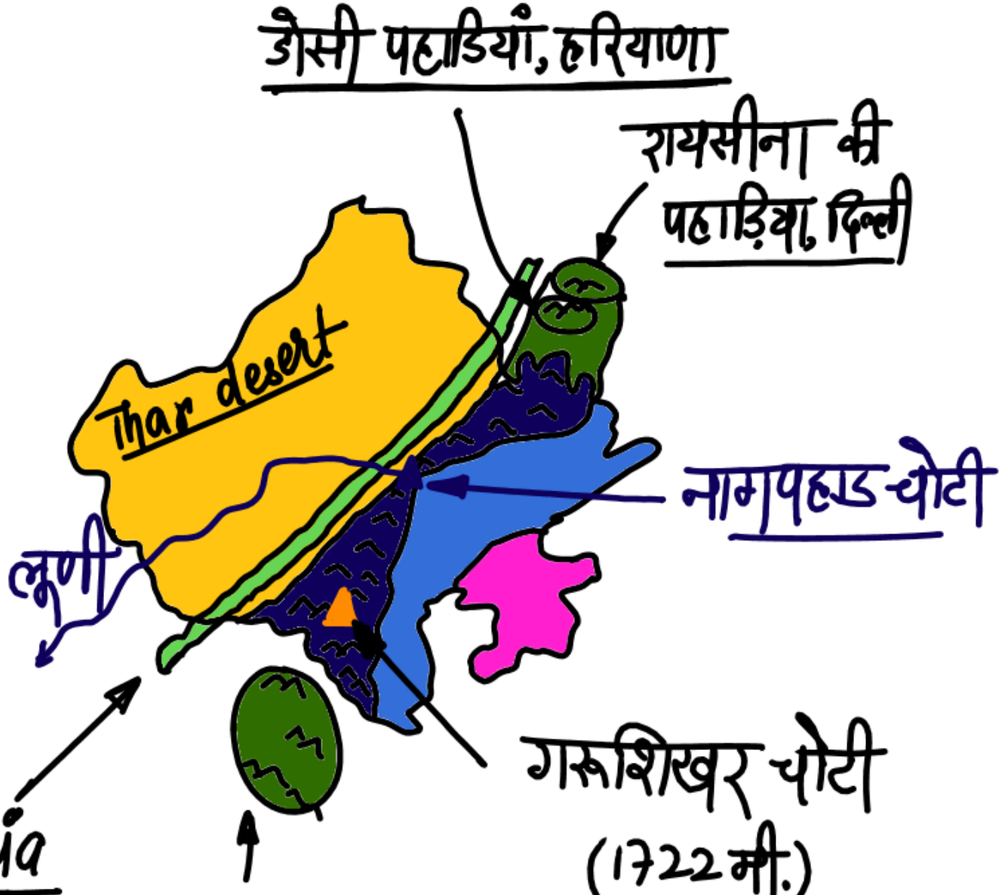

- अरावली की सर्वोच्च चोटी दक्षिणी अरावली में स्थित है जिसे गुरूशिखर नाम से जाना जाता है तथा यह अरावली सहित राजस्थान व मध्य भारत की भी सर्वोच्च चोटी है।

- नागपहाड़, मध्य अरावली की एक महत्वपूर्ण चोटी है, जो कि अजमेर में स्थित है तथा इसके निकट आनासागर झील से लूणी नदी का उद्गम होता है।

- अरावली में गुरूशिखर के निकट माउंट आबू हिल स्टेशन (सिरोही) स्थित है तथा यहां नक्की झील भी है जो एक क्रेटर का उदाहरण है।

→ अरावली में तांबा, लौह अयस्क (उत्तरी अरा॰); टंगस्टन, लीथियम (मध्य अरा॰) तथा दक्षिणी अरावली में चाँदी व सीसा-जस्ता के भंडार मिलते हैं

→ अरा॰ में बड़े पैमाने पर मार्बल / संगमरमर के भंडार भी मिलते हैं

↓

मकराना का सफेद मार्बल से ताजमहल का निर्माण